क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 307, शुक्रवार, 07 दिसम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पूर्व कोयला कोलगेट

नई दिल्ली। कोलगेट मामले में दोषी ठहराये गये पूर्व कोयला सचिव एससी गुप्ता के अलावा दो नौकरशाह ए क्रोफा व केसी मारिया को अदालत ने तीन-तीन साल की सजा सुनाई है। पटियाला हाउस कोर्ट के विशेष सीबीआई न्यायाधीश भरत परासर ने तीनों अधिकारियों पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना।

गड़े धन के लालच में 14 साल की लड़की से कई बार रेप, तांत्रिकों ने अगरबत्ती से दागा, कील लगे चाबुक मारे

इंदौर एजेंसी। मध्य प्रदेश के इंदौर में तंत्र-मंत्र के जरिये गड़ा धन दिलाने के नाम पर एक 14 साल की लड़की के साथ कई बार रेप किया गया। उसे अमानवीय यातनाएं दी गईं। इस मामले में पुलिस ने एक ही परिवार के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में दो महिलाएं हैं। गांधी नगर थाना प्रभारी नीता डेरवाल ने बताया कि गहरे अंधविश्वास से जुड़े मामले में अजय सोनाने (23), उसकी मां सुनीता सोनाने (40) और युवक की दादी गीता सोनाने (65) को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आरोपों के हवाले से बताया कि पिछले कुछ महीनों के दौरान अजय ने तंत्र-मंत्र के नाम पर 14 वर्षीय लड़की से कई बार दुष्कर्म किया और उसे अमानवीय यातनाएं दीं। युवक की मां और दादी ने इस घिनौने अपराध में उसकी मदद की।

पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज

थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में बलात्कार, धमकाये जाने और अन्य आरोपों से जुड़ी भारतीय दंड विधान की सम्बद्ध धाराओं के साथ लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया गया है। विस्तृत जांच जारी है।

चाइल्डलाइन ने किया पर्दाफाश

बच्चों के हितों में काम करने वाली गैर सरकारी संस्था चाइल्डलाइन ने मामले का भंडाफोड़ करते हुए पीड़ित लड़की की मदद की। चाइल्डलाइन की स्थानीय इकाई के निदेशक वसीम इकबाल ने बताया कि लड़की के जन्म के समय उसके पैर मां की कोख से पहले बाहर आये थे। यह बात उसके पड़ोसी अजय के परिवार को पता थी।

लड़की के परिवार को इस तरह दिया गया झांसा

इकबाल ने कहा, अजय और उसके परिजनों ने लड़की के परिवार को कथित तौर पर यह कहकर झांसे में लिया कि पैरों की ओर से जन्म लेने की उसकी विलक्षण खूबी के कारण तंत्र-मंत्र के जरिये उससे गड़े धन का सुराग हासिल किया जा सकता है।

लड़की को जलती अगरबत्ती से दागा गया, कील लगे चाबुक मारे गए

उन्होंने कहा, लड़की की काउंसलिंग के दौरान हमें पता चला कि तंत्र-मंत्र के नाम पर उसे नशीली दवा पिलाकर श्मशान और अन्य स्थानों पर उससे कई बार दुष्कर्म किया गया। उसे जलती अगरबत्ती से दागा जाता था और कील लगे चाबुक भी मारे जाते थे।

लड़की को तांत्रिक ने बेड़ियों में बांधा

उन्होंने बताया, लम्बे समय तक नशीली दवा दिये जाने के कारण अक्सर खोयी-खोयी रहने वाली लड़की को उसके परिवारवाले एक अन्य तांत्रिक के पास ले गये। इस तांत्रिक ने लड़की पर भूत-प्रेत का साया बताकर उसे बेड़ियों में जकड़ दिया।

बाबरी विध्वंस की 26वीं बरसी आज, अयोध्या में कड़ी सुरक्षा

अयोध्या में विवादित ढांचे के ध्वंस की आज 26वीं बरसी है। इस मौके पर अयोध्या में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त हैं।

8 दिसंबर को दुनिया को मिलेगी नई विश्व सुंदरी, जानें कब, कहां और कैसे देखें लाइव स्ट्रीमिंग

नई दिल्ली। बीते साल मिस वर्ल्ड बनीं मानुषी छिल्लर 8 दिसंबर को अपना ताज किसी और के हवाले कर देंगी। मिस वर्ल्ड 2018 का आयोजन इस बार चीन में किया जा रहा है। 8 दिसंबर को यह प्रतियोगिता भारतीय समयानुसार 4.30 बजे शुरू होगी। को चीन के सान्या शहर में पिछले साल मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने वाली मानुषी छिल्लर मिस वर्ल्ड 2018 को अपना ताज पहनाएंगी। मिस वर्ल्ड पेजेंट का यह 68 वां सीजन है और इसमें 32 देशों के प्रतिभागी भाग लेने आई हुई हैं। इस प्रतियोगिता में अनुकृति वास ने भी भाग लिया है जो मिस इंडिया 2018 की विजेता हैं। अनुकृति तमिलनाडु की रहने वाली हैं। मानुषी छिल्लर ने इस प्रतियोगिता के बारे में कहा कि मैं सान्या वापस आकर बहुत खुश हूं. यह मेरे लिए एक जादुई जगह है. मुझे सान्या में ही ताज पहनाया गया था और मैं 8 दिसंबर को इस ताज को किसी और को पहनाउंगी। भारत में इस कार्यक्रम को 8 दिसंबर 4.30 बजे से रोमेडी नाउ चैनल पर देखा जा सकता है। इसके अलावा इसकी लाइव स्ट्रीमिंग भी मिस वर्ल्ड 2018 के यूट्यूब चैनल पर भी देखा जा सकता है। अनुकृति इस प्रतियोगिता में टॉप 30 देशों की विश्व सुंदरियों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। अनुकृति के अलावा जिन देशों की महिलाओं ने टॉप 30 में जगह बनाई है, उनमें चिली, फ्रांस, बांग्लादेश, जापान, मलेशिया, मॉरिशस, मेक्सिको, नेपाल, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, थाइलैंड, युगांडा, अमेरिका, वेनेजुएला और वियतनाम शामिल है।

सरकार बना रही ऐसी योजना, अब सरेंडर कर सकेंगे अपना आधार

नई दिल्ली एजेंसी। आधार कार्ड धारकों को जल्द ही अपना आधार नंबर सरेंडर करने की आजादी मिल सकती है। केंद्र सरकार आधार एक्ट में संशोधन की तैयारी कर रही है।

इस बाबत एक प्रस्ताव को अंतिम रूप देने की कवायद अपने अंतिम चरण में है। इस संशोधन के बाद सभी नागरिकों को बायोमेट्रिक्स और डाटा समेत अपना आधार नंबर वापस लेने का विकल्प दिया जा सकेगा।

मीडिया में आई खबरों की मानें तो सरकार आधार एक्ट में संशोधन की तैयारी कर रही है। इसके बाद आधार धारक अपना बायोमेट्रिक्स समेत अन्य डाटा वापस लेने के साथ ही आधार सरेंडर कर सकेंगे।

यूजर्स का पूरा डेटा और बायोमेट्रिक्स तब लिया जाता है जब कोई व्यक्ति आधार के लिए खुद को एनरोल करवाता है। मगर ताजा संशोधन के बाद आधार कार्ड से अपना नाम हटवाने के बाद यूजर्स का डाटा भी हमेशा के लिए डिलीट कर दिया जाएगा। ऐसा सितंबर में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कुछ शर्तों के साथ आधार कार्ड की अनिवार्यता खत्म कर दी थी। हालांकि कुछ चीजों के साथ आधार की वैधता को बरकरार रखा गया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने आधार एक्ट के सेक्शन 57 को रद्द कर दिया था, जो प्राइवेट कंपनियों को वेरिफिकेशन के नाम पर आधार नंबर देने को बाध्य करता है। बेंच ने यह भी माना था कि बैंक खातों और सिम कार्ड से आधार नंबर जोड़े जाने की बाध्यता असंवैधानिक है। प्रारंभिक प्रस्ताव भारत की विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (द्बह्लद्ब) द्वारा तैयार किया गया था। इसमें कहा गया कि एक बार जब बच्चा 18 वर्ष का हो जाता है, तो उसे यह तय करने के लिए 6 महीने दिए जाएंगे कि वह आधार नंबर वापस लेना चाहता है या नहीं। यह प्रस्ताव कानून मंत्रालय को भेजा गया था।

मंत्रालय ने इसे आगे सिफारिश की है कि सभी नागरिकों को आधार नंबर वापस लेने का विकल्प उपलब्ध कराया जाए और यह किसी विशेष समूह तक ही सीमित न हो। हालांकि यह प्रस्ताव जो अब मंत्रिमंडल को भेजा जाएगा, केवल उन लोगों को लाभ पहुंचाएगा जिनके पास पैन कार्ड नहीं है क्योंकि अदालत ने आधार के साथ पैन के संबंध को बरकरार रखा है. बता दें कि 12 मार्च, 2018 तक 37.50 करोड़ से अधिक पैन जारी किए गए हैं. इनमें से लोगों को जारी किए गए पैन कार्ड की संख्या 36.54 करोड़ से अधिक है, जिनमें से 16.84 करोड़ पैन आधार से जुड़े हुए हैं.

कोर्ट के आदेश के मुताबिक, प्रस्ताव यह तय करने के लिए एक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त करना चाहता है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में किसी व्यक्ति के आधार से संबंधित डेटा का खुलासा किया जाए या नहीं. कोर्ट ने धारा 33 (2) की बात करते हुए कहा था कि संयुक्त सचिव से नीचे एक अधिकारी के आदेश पर राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों के लिए आधार जानकारी का खुलासा करने की अनुमति दी थी. कोर्ट ने कहा था कि संयुक्त सचिव के ऊपर एक अधिकारी को न्यायिक अधिकारी से परामर्श लेना चाहिए और इस बारे में कदम उठाना चाहिए।

»» समाज को तोड़ने का पार्टी कर रही है प्रयास

बहराइच से सांसद सावित्री बाई फुले ने छोड़ी बीजेपी

नई दिल्ली एजेंसी। बहराइच की सांसद सावित्री बाई फुले ने गुरुवार को लखनऊ में भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफे का ऐलान कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह कार्यकाल पूरा होने तक सांसद रहेंगी। उन्होंने सिर्फ पार्टी से इस्तीफा दिया है। वह लंबे समय से भाजपा संगठन और वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ तीखे बयान देती रही हैं।

सांसद सावित्री बाई फुले गुरुवार को बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ के कैपिटल हाल में आयोजित समारोह में बतौर अतिथि शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भाजपा दलित, पिछड़ा व मुस्लिम विरोधी है और आरक्षण खत्म करना चाह रही है।

सावित्री बाई फूल ने कहा कि भाजपा देश को मनुस्मृति से चलाना चाहती है। भाजपा देश के संविधान को बदलने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि न तो संविधान लागू किया जा रहा है और न ही आरक्षण। केंद्र सरकार हमारी मांगें नहीं मान रही है क्योंकि सरकार दलित विरोधी है। भगवान हनुमान को दलित बता ने पर उन्होंने कहा कि हनुमान दलित थे लेकिन मनुवादियों के खिलाफ थे। तभी राम ने उन्हें बंदर बना दिया। उन्होंने कहा, ' 'पुनः विहिप, भाजपा और आरएसएस से जुड़े संगठनों द्वारा अयोध्या में 1992 जैसी स्थिति पैदा कर समाज में विभाजन एवं सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए आहत होकर मैं भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रही हूं।' उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस कर इस्तीफे के पंद्रह कारण गिनाए। अपने बयान में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आरक्षण को खत्म करने का ताना बाना बुन रही है। उन्होंने कहा कि वह लगातार प्रदेश व देश के हिस्सों में केंद्र सरकार के सामने अपनी मांगे रखती रही हैं लेकिन उनकी मांगें नहीं मानी गईं। जिससे बहुजन समाज को उसका वाजिब अधिकार नहीं मिल पा रहा। भाजपा की सरकार अल्पसंख्यकों का अहित करने वालों को संरक्षण देती है।

बहराइच से सांसद चुनी गईं सावित्री बाई फुले ने 2012 में बीजेपी के टिकट पर बलहा (सुरक्षित) विधानसभा सीट से चुनाव जीता था और 2014 में उन्हें सांसद का टिकट मिला और वह संसद पहुंचीं। वह बीजेपी की दलित महिला चेहरा थीं। छह साल की उम्र में उनकी शादी कर दी गई थी लेकिन उनकी विदाई नहीं हुई। इसके बाद बड़े होने पर उन्होंने संन्यास ले लिया।

इस्तीफे के गिनाए यह कारण

-देश भर में डा. भीमराव अंबेडकर की मूर्तियां तोड़ी गईं, लेकिन दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

-पिछड़े और अनुसूचित जाति जनजाति का आरक्षण कोटा खत्म करने की कोशिश

-केंद्र सरकार ने आरक्षण के खाली पदों को नहीं भरा और न पुरानी पेंशन लागू की।

-मुस्लिमों की रक्षा न कर उन्हें प्रताड़ित किया गया।

-निजी क्षेत्र में पिछड़ों और एससीएसटी को आरक्षण नहीं दिया

-दो करोड़ युवाओं को रोजगार नहीं दिया।

-बैंक खाते में 15 लाख नहीं दिए।

-शहरों व संस्थाओं का नाम बदल कर बहुजन समाज व अल्पसंख्यकों के इतिहास को मिटाया गया।

-केंद्र सरकार देश का विकास न कर हिन्दू-मुस्लिम कर रही है।

-काला धन विदेश से नहीं लाया गया। भगौड़ों को भारत नहीं लाया गया।

-9 अगस्त 2018 को दिल्ली में संसद के करीब संविधान की प्रतियां जलाई गईं। लेकिन देश द्रोह का मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

-भारत सरकार के मंत्री धार्मिक उन्माद फैला रहे हैं।

-भारत के चौकीदार की पहरेदारी में देश के संसाधनों की चोरी हो रही है।

गठबंधन पर सस्पेंस बरकरार, उपेंद्र कुशवाहा बोले- याचना नहीं अब रण होगा

नई दिल्ली। रालोसपा (RLSP) प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार के मोतिहारी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार और बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। हालांकि कुशवाहा ने यह साफ नहीं किया है कि वह 2019 लोकसभा चुनाव (2019 Loksabha Election) एनडीए (ND) के साथ मिलकर चुनाव लड़ने पर सस्पेंस बरकरार है। इस जनसभा में कुशवाहा ने कहा कि याचना नहीं अब रण, संघर्ष बड़ा भीषण होगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई आरपार की होगी। रालोसपा ने प्रदेश सरकार के खिलाफ रण की घोषणा की है और बीजेपी की प्रदेश ईकाई की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि सीट शेयरिंग को लेकर पहले बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह से मिलने की कोशिश की गई लेकिन वह नहीं मिले। इसके बाद हमने फैसला किया कि अब प्रधानमंत्री से मिलेंगे और उनसे मिलने के लिए समय मांगा गया लेकिन चार से पांच दिन बीत गए लेकिन कोई बात नहीं बनी। इसके बाद हमें बर्बाद और तोड़ने की कोशिश की गई। लालच देकर हमारे विधायकों को अपने पास बुलाने की काशिश की गई और इसके लिए सत्ता के हथियार का इस्तेमाल किया गया। उपेंद्र कुशवाहा ने जनसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। कुशवाहा ने कहा कि हर मामले में राज्य सरकार फेल है और अब बिहार में सुशासन नहीं है। उन्होंने कहा कि 15 साल यहां एक ही सरकार है और अब बिहार में बदलाव की जरूरत है। इसलिए हम बिहार की निकम्मी सरकार है उसको उखाड़कर फेंकने का काम करेंगे।

गंगा रक्षा को लेकर अनशन कर रहे संत गोपाल दास दून अस्पताल से लापता

देहरादून एजेंसी। गंगा रक्षा को लेकर अनशन कर रहे संत गोपाल दास दून अस्पताल में उपचार शुरू होने सात घंटे के भीतर गायब हो गए। वह दिल्ली एम्स से दून अस्पताल पहुंचे थे। अस्पताल प्रशासन से सूचना मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची। देर रात एसपी सिटी पीके राय के नेतृत्व में पुलिस टीम उनकी तलाश करती रही। लेकिन, गोपाल दास का पता नहीं लगा। लंबे अनशन के चलते स्वास्थ्य बिगड़ने पर संत गोपाल दास पूर्व में ऋषिकेश एम्स में भर्ती थे। वहां से उन्हें सोमवार को दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एम्स) रेफर कर दिया गया था।

दिल्ली एम्स से डिस्चार्ज होकर संत बुधवार दोपहर 12:44 बजे दून अस्पताल पहुंचे। यहां उनके शिष्य यशवीर ने तीमारदार के तौर पर संत को भर्ती कराया। अस्पताल में उनका उपचार शुरू किया गया। लेकिन, उन्होंने देर शाम तक न तो कोई जांच कराई और न ही कोई दवाई ली। अस्पताल में वह वार्ड 14 के बेड संख्या 15 पर भर्ती थे। रात पौने आठ बजे अस्पताल कर्मचारियों ने देखा तो संत और उनके तीमारदार दोनों गायब थे। काफी देर तलाश के बाद प्रशासन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। संत के गायब होने की सूचना मिलते ही पुलिस अफसर हरकत में आए। एसपी सिटी और सीओ सूचना मिलते ही दून अस्पताल पहुंचे। वहां आसपास देर रात तलाश करने के साथ ही सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। संत गोपाल दास का कुछ पता नहीं लगा।

छोड़ गए मोबाइल फोन

संत गोपाल दास जब अस्पताल से लापता हुए तो उनके दोनों मोबाइल उनके बेड पर रखे मिले। पुलिस मोबाइल नंबर कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है कि अस्पताल से लापता होने से पहले वह किसके संपर्क में थे। बता दें कि संत गोपल दास ने इनवेस्टर समिट के दौरान भी गांधी पार्क के बाहर धरना दिया था।

नहीं पता कैसे पहुंचा दून अस्पताल

दून अस्पताल में भर्ती गोपाल दास ने बुधवार को मीडिया से कहा था कि वह बीती रात दिल्ली एम्स में भर्ती थे। उन्हें जब होश आया था तो वह दून में थे। उन्हें नहीं पता कि वह कैसे दून अस्पताल पहुंचे।

संथारा का किया था ऐलान

हरिद्वार के मातृ सदन में अनशन के दौरान गोपालदास ने देह त्यागने के लिए संथारा साधना करने का ऐलान और अनिश्चितकालीन मौन साधना की घोषणा की थी। गोपालदास ने बीती 13 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर संथारा साधना के दौरान शासन और प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की खलल न डालने की अपील की थी।

पिता रात 12 बजे तक दिल्ली एम्स में बैठे रहे

संत गोपालदास के पिता शमशेर ने कहा कि वे बुधवार शाम करीब साढ़े पांच बजे से चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय में मौजूद हैं लेकिन अब तक कोई भी अधिकारी उनसे मिलने नहीं आया। कोई भी उनके बेटे की सूचना नहीं दे रहा है।

रात करीब सवा आठ बजे एक जूनियर महिला डॉक्टर को कक्ष में भेज सिर्फ इतना कहा कि हमें उनकी जानकारी नहीं है। उन्हें छुट्टी दे दी गई है। वहीं सोमनाथ भारती ने रात 9 बजकर 52 मिनट पर ट्वीट कर कहा कि संत गोपालदास के पिता के साथ वे एम्स के चिकित्सा अधीक्षक के कार्यलय में बैठे हैं। पिछले 36 घंटे से संत गोपालदास गायब हैं लेकिन उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई कि उन्हें कहां भेजा गया है।

दिल्ली एम्स ने गाड़ी से भेजा देहरादून

दिल्ली एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया का कहना है कि मेडिकल बोर्ड की सलाह के बाद संत गोपाल दास को स्वस्थ्य घोषित कर दिया था। उनकी इच्छा के अनुसार ही अस्पताल से छुट्टी दी गई। इतना ही नहीं जब उनसे पूछा कि वे कहां जाना चाहते हैं तो उन्होंने देहरादून तक छोड़ने को कहा। हमने मंगलवार को अपनी ओर से गाड़ी का इंतजाम कर उन्हें देहरादून भेजा उनके साथ एक नर्सिंग स्टाफ भी भेजा गया।

केजरीवाल ने ट्वीट किया

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि 'संत गोपालदास गोरक्षा और गंगा सफाई के लिए अनशन पर थे। उनको मोदी सरकार ने एम्स से गायब कर दिया। उनके पिता को भी केंद्र सरकार नहीं बता रही कि उनको कहां ले जाया गया है। संत गोपालदास असली गोरक्षक हैं। उनके साथ मोदी सरकार का ऐसा वर्ताव? उन्हें तुरंत पिता के सुपुर्द किया जाए।

' देहरादून एसएसपी निवेदिता कुकरेती ने कहा, संत गोपाल दास की सुरक्षा में कानूनी तौर पर किसी पुलिस कर्मी की ड्यूटी नहीं लगाई गई थी। हालांकि, कोतवाली पुलिस को उनपर निगरानी का निर्देश दिया गया था। उनके लापता होने में किसी स्तर लापरवाही हुई, इसकी जांच की जा रही है। उनका पता लगाने का पुलिस प्रयास कर रही है।

संपादकीय

डॉ. अंबेडकर के जीवन दर्शन और विचारों को अक्सर उनके अनुयायी ब्राह्मण विरोध से जोड़कर देखते हैं जबकि बाबा साहेब की शिक्षा और उत्थान के सफर में ब्राह्मणों का खूब सहयोग और योगदान रहा। बाबा साहेब के कुछ अनुयायी ब्राह्मणों से घृणा भी करते दिखते हैं और वे इसे बाबा साहेब से जोड़ते भी हैं, लेकिन अंबेडकर के विचारों में ब्राह्मणों के प्रति घृणा का भाव कभी नहीं दिखता।

अंबेडकर की महानता में मददगार ब्राह्मण

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपने जीवन का सबसे अहम चुनाव स्वतंत्र मजदूर पार्टी की ओर से 17 फरवरी 1937 को मध्य मुंबई निर्वाचन क्षेत्र से लड़ा था और उनका चिह्न 'आदमी' था। यह भी बेहद दिलचस्प है कि जातीय व्यवस्था का दंश भोगते भीमराव के लिए 'आदमी' बनने का सफर पथरीला और कांटों भरा रहा। उनके सामने सहस्त्रों वर्षों से चली आ रही सामाजिक गुलामी को उखाड़ फेंकने की कड़ी चुनौती थी। सामंती ताकतों से प्रभावित व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष तो उन्हें करना ही पड़ रहा था,वहीं करोड़ों लोगों का भविष्य बचाने का दिवास्वप्न उन्हें सोने नहीं देता था। भीमराव की लड़ाई धार्मिक और जातीय निर्योग्यताओं के खिलाफ थी, इसके मूल में हिंदू धर्म के धार्मिक ग्रंथ रहे। उसके वाहक और संरक्षक ब्राह्मणों को माना गया। जाहिर है अंबेडकर के तमाम संघर्षों के केंद्र में ब्राह्मण ही रहे। अंबेडकर मनुस्मृति से बंटे समाज और ब्राह्मणों को मिले अधिकारों के प्रति जीवन भर मुखर रहे। उन्होंने 25 जुलाई-1927 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के महाद में सार्वजनिक रूप से मनुस्मृति को जलाया था। अंबेडकर अपनी किताब 'फिलॉसफी ऑफ हिंदूइज्म' में लिखते हैं कि मनु ने चार वर्ण व्यवस्था की वकालत की थी। मनु ने इन चार वर्णों को अलग-अलग रखने के बारे में बताकर जाति व्यवस्था की नींव रखी। उन्होंने इस व्यवस्था के बीज बोए थे।

'हू वेयर द शुद्राज' में बाबा अंबेडकर ने साफ कहा था कि मैं उन धर्म पुस्तकों की पोल खोलता रहूंगा जिनके कारण देश और समाज का पतन हुआ है। मुझे विश्वास है कि यदि वर्तमान पीढ़ी के हिंदू मेरे निष्कर्षों को न मानेंगे तो भविष्य की पीढ़ी वाले उन्हें अवश्य स्वीकार करेंगे। अंबेडकर के धार्मिक किताबों और जातीय निर्योग्यताओं के विरोध को अक्सर उनके अनुयायी ब्राह्मण विरोध से जोड़कर देखते हैं जबकि बाबा साहेब की शिक्षा और उत्थान के सफर में ब्राह्मणों का खूब सहयोग और योगदान रहा। मासूम और अभिशप्त भीमराव से डॉ. अंबेडकर के सफर में जिन लोगों के उल्लेखनीय योगदान को उन्होंने स्वीकार किया उसमें अधिकांश ब्राह्मण थी थे। दरअसल, एक गरीब जाति में जन्मे भीमराव के लिए अस्पृश्यता अभिशाप की तरह थी और इसे झेलते हुए शिक्षा दीक्षा अर्जित करना मुमकिन नहीं था। इन कठिन परिस्थितियों में उनके ब्राह्मण शिक्षक ही मार्गदर्शक और संरक्षक बने।

शिक्षा के प्रारंभिक दौर में भीमराव सकपाल के नाम से जाने जाते थे, जिन्हें वहीं के स्कूल के ब्राह्मण शिक्षक ने अपना नाम अंबेडकर दिया और इसके बाद उनका यह शिष्य भीमराव अंबेडकर के नाम से पहचाना गया। जब स्कूल भी जातीय भेदभाव के केंद्र थे और दलित बच्चों को दूर बिठाया जाता था, उन्हें स्कूल के मटके का पानी पीने की मनाही थी। वहीं ये ब्राह्मण शिक्षक अपना खाना तक भीमराव को खिलाया करते थे और यहीं से भीमराव का आत्मविश्वास बढ़ा जिसने उन्हें श्रेष्ठता तक पहुंचाया। आगे चलकर भीमराव के जीवन में एक और ब्राह्मण शिक्षक पेंडसे आए जिनके सतत मार्गदर्शन से भीमराव उच्च शिक्षा तक पहुंचे। जब देश का भाग्य लिखा जा रहा था तब संविधान सभा के प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाने का निर्णय देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का ही था। नेहरू व अंबेडकर के राजनीतिक मतभेद के बाद भी डॉ. अंबेडकर को यह जिम्मेदारी मिलना एक कश्मीरी ब्राह्मण नेहरू का योग्यता के प्रति सम्मान का परिचायक रहा। आजादी के बाद पंडित नेहरू के प्रधानमंत्रित्व में बनी देश की पहली अंतरिम सरकार में वे विधि और न्यायमंत्री करते थे। राजनीतिक विरोधाभास के बावजूद नेहरू अंबेडकर की योग्यता का सम्मान कर देश के पुनर्निर्माण में उन्हें आगे लाते रहे।

सामाजिक प्रतिरोध का लगातार सामना करने वाले अंबेडकर के लिए एक समय ऐसा आया जब वे शारीरिक अक्षमता की ओर बढ़ने लगे। इस कठिन दौर में उनका हाथ थामा सविता माई ने। 40 के दशक के अंतिम दौर में जब संविधान पर तेजी से काम हो रहा था, इस बीच अंबेडकर अपने पैरों के दर्द से इतने परेशान थे कि उन्हें नींद नहीं आती थी। इलाज के लिए वे मुंबई गए जहां उनकी देखभाल डॉ. सविता किया करती थीं, जो स्वयं भी ब्राह्मण थीं। एक बार फिर अंबेडकर के लिए डॉ. सविता वरदान बनी और अपने से उम्र में कही बड़ अंबेडकर से उन्होंने 15 अप्रैल 1948 को शादी कर ली। हालांकि दलित राजनीति और उनके अनुयायियों के लिए यह स्वीकार्य नहीं था। अब डॉ. सविता, सविता माई के नाम से पहचाने जाने लगीं और बाबा साहेब की जीवन भर सेवा करती रहीं। अंबेडकर ने किताब 'द बुद्धा एंड हिज धर्मा' में भी सविता माई के त्याग, समर्पण, सेवा और निष्ठा को सराहा है।

मानव विकास के अतीत में रहस्य है, वर्तमान में अंतर्द्वंद्व है और भविष्य में संघर्ष की नियति। दुनिया भर के विभिन्न समाजों में संस्कृति और सभ्यता की भिन्नता ने रचनात्मक विकास तो किया है लेकिन उसमे जानलेवा विरोधाभास भी पैदा हुआ है। भारतीय समाज ने जातीय व्यवस्था के जानलेवा स्वरूप को आत्मसात किया और करोड़ों लोगों के लिए यह अभिशाप बन गया। अंबेडकर का संघर्ष इसी व्यवस्था के खिलाफ था। इन सबके बीच भारतीय सभ्यता और संस्कृति की सहिष्णुता के दर्शन बाबा साहेब के प्रति व्यवहार में भी होते हैं। जहां दुनिया भर में नस्लीय भेदभाव इतना की वे बड़ी क्रूरता से विरोधियों को कुचलते रहे है वहीं बाबा अंबेडकर की योग्यता का निरंतर सम्मान कर उनकी आवाज को बुलंद करने में उनके धुर विरोधी समझे जाने वाले ब्राह्मण भी सहयोग करते रहे।

समाज में वैदिक धर्म से हिंदू धर्म के सफर में जातीय भिन्नता ने परस्पर असमानता को पोषित किया और करोड़ों लोगों के लिए यह दुर्भाग्य की नियति भी बन गया। मानव जीवन ने इन अवस्थाओं में पहचान को सामाजिक और धार्मिक तौर पर उभारा है। इन सबके बीच भारतीय सभ्यता भी है जिसमें अपनी व्यक्तिगत पहचान को जातीय आधार पर विभाजित कर सामुदायिक द्वंद्व को स्थापित कर दिया। इस सामुदायिक द्वंद्व के बीच किसी दलित के शिखर तक पहुंचना उदार संस्कृति और आचरण से ही संभव हुआ। माना जाता है कि जब अंबेडकर ने मनुस्मृति को जलाकर विरोध जताया था तो उन पर अपने पहले शिक्षक अंबेडकर की शिक्षा का ही प्रभाव था जिन्होंने अपने शिष्य की योग्यताओं को सराहते हुए सत्य के लिए अडिग रहने और विरोध करने का मूलमंत्र दिया था। बाबा साहेब के कुछ अनुयायी ब्राह्मणों से घृणा भी करते दिखते हैं और वे इसे बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर से जोड़ते भी हैं जबकि अंबेडकर के विचारों में ब्राह्मणों के प्रति घृणा का भाव कभी नहीं दिखता। उन्होंने एक बार कहा था कि वर्ण व्यवस्था से ज्यादा पतनशील कोई और व्यवस्था नहीं हो सकती है, जो लोगों के बीच सहयोग को रोकती है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र है। संविधान में भारतीय संस्कृति और सभ्यता के मूलभूत आदर्श हैं। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय हासिल करने की भरपूर संभावनाएं हैं। विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म और उपासना की स्वतंत्रता भी है। इसमें अवसर की समानता भी है। बाबा साहेब के जीवन दर्शन को समझने के बाद इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि भारत के सबसे ज्यादा शिक्षा प्राप्त डॉ. भीमराव अंबेडकर को शून्य से शिखर तक पहुंचाने में ब्राह्मण भी मददगार रहे।

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

अगस्ता के राज बढ़ाएंगे बवाल

अगस्ता वेस्टलैंड मामले के बिचौलिये क्रिश्चियन मिशेल को भारत लाया गया है। माना जा रहा है कि क्रिश्चियन मिशेल कई सारे राज खोल सकता है। यह राज आने वाले दिनों में भारतीय राजनीति में भूचाल ला सकता है। अगस्ता का सारा सच जनता के सामने आना चाहिए।

अगस्ता वेस्टलैंड मामले के बिचौलिये क्रिश्चियन मिशेल को भारत लाया गया है। माना जा रहा है कि क्रिश्चियन मिशेल के आने से कई सारे राज खुल सकते हैं। मिशेल से सीबीआई राज उगलवाने में जुटी है। पूछताछ में वह उन नेताओं और नौकरशाहों के नाम उगल सकता है जिन्हें 36 सौ करोड़ के वीवीआईपी हेलीकॉप्टर सौदे के लिए कथित रूप से रिश्वत दी गई थी। मिशेल ने कुछ लोगों इस डील के दौरान घूस दी थी जिसके नाम उसने कोड वर्ड में लिखे थे उसका खुलासा यही कर सकता है। यूएई की सुरक्षा एजेंसियों ने फरवरी 2017 में मिशेल को गिरफ्तार किया था और इसके बाद से ही उसके प्रत्यर्पण की कोशिशें चल रही थीं। मिशेल को भारत प्रत्यर्पित कराने के लिए भारतीय एजेंसियों सीबीआई एवं प्रवर्तन निदेशालय ने यूएई का कई बार दौरा किया। इस दौरान एजेंसियों ने यूएई के अधिकारियों एवं कोर्ट के साथ घोटाले से जुड़े आरोपपत्र, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्य एवं दस्तावेज साझा किए थे।

वीवीआईपी हेलिकॉप्टर अगस्ता वेस्टलैंड सौदे को लेकर देश में समय-समय पर बवाल होता ही रहा है। अब एक बार फिर यह घोटाला सुर्खियों में छाया हुआ है। बता दें कि अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले का खुलासा होने के बाद यूपीए सरकार को विपक्ष ने घेर लिया था। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की गई थी इस मामले में सोनिया गांधी तक के खिलाफ केस दर्ज किया जाए। अब बिचौलिये क्रिश्चियन मिशेल की भारत आमदगी ने भाजपा को फिर से कांग्रेस पर हमलावर होने का मौका दे दिया है। इटली की अदालत ने अगस्ता वेस्टलैंड कंपनी के प्रमुख ऊर्सी एवं हेलिकॉप्टर बनाने वाली कंपनी फिनमैकेनिका को रिश्वत देने व भारत के पूर्व वायुसेना प्रमुख एसपी त्यागी को रिश्वत लेने का दोषी ठहराया है। फैसले में 'सिग्नोरा' गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, यूपीए सरकार के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे एमके नारायणन के साथ दो और नेताओं का जिक्र है। इस फैसले के चलते देश में सियासी तापमान कभी नीचे नहीं गया है। अब जबकि मिशेल भारतीय जांच एजेंसियों के हवाले है, तो निश्चित रूप से उसके खुलासे हतप्रभ करने वाले होंगे।

अगस्ता वेस्टलैंड मामले में क्रिश्चियन मिशेल को भारत लाने में उस समय कामयाबी हाथ लगी है, जब कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी राफेल मुद्दे पर सीधे-सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगा रहे हैं और कह रहे हैं कि भाजपा सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा घोटाला किया है। लेकिन अब भाजपा के हाथ अगस्ता वेस्टलैंड नाम का हथियार मिल गया है। सो, आने वाला समय राफेल और अगस्ता के बीच बड़े आरोप-प्रत्यारोप का जरिया बनेंगे। अगले साल की शुरुआत में लोकसभा चुनाव होने हैं, लिहाजा भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल विदेशी सौदों को लेकर कभी खुद तो कभी सामने वाले को कटघरे में खड़ा करते नजर आएंगे। मगर जरूरी यह है कि दोनों ही मामलों का सच जनता के सामने आए।

गोहत्या के नाम पर हिंसा कब तक

गोहत्या के नाम पर हत्यारी भीड़ ने एक बार फिर दो बेकसूर इंसानों को जान से मार डाला। इस मर्तबा यह दर्दनाक वाकिया बुलंदशहर जिले के स्याना में पेश आया। जहां गोकशी के शक में भीड़ ने पहले तो भयंकर हंगामा किया और फिर हिंसा पर उतर आई। भीड़ ने जमकर पथराव भी किया। वहां खड़ी 18 गाड़ियां फूंक दीं। गुस्साए कथित गोरक्षकों की हिंसा में पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई। हिंसक भीड़ यहीं शांत नहीं हुई, बल्कि उसने पुलिस चौकी के भीतर सीओ समेत अन्य पुलिसवालों को बंधक बना लिया और बाहर से आग लगा दी। बैरक का रोशनदान तोड़कर यह सब लोग बाहर निकल आए, वरना मामला और भी ज्यादा गंभीर हो सकता था। बचाव में पुलिस ने जब जवाबी कार्रवाई शुरू की, तो उसमें एक नौजवान की जान चली गई। वहीं कई लोग और पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ के इस उपद्रव के बाद बुलंदशहर जिले के अलावा गाजियाबाद व गौतमबुद्धनगर में स्थानीय प्रशासन ने एहतियातन धारा 144 लगा दी है। गाजियाबाद में धारा 26 दिसंबर तक लागू रहेगी। वहीं नोएडा-ग्रेटर नोएडा में दो माह तक यह व्यवस्था रहेगी। बुलंदशहर जिले में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पांच कंपनी आरएएफ तथा छह कंपनी पीएसी पहले से ही तैनात थी, सुरक्षा के लिए अब और पुलिस बल भेजा गया है।

देश में गोरक्षा के नाम पर होने वाली वारदातें रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। बुलंदशहर के रूप में नया कांड हमारे सामने है। यहां गोवंश मिलने पर गुस्साई भीड़ ने एक पुलिस इंस्पेक्टर को मार डाला और फिर थाने पर हमला किया। देश के अधिकांश राज्यों में गोहत्या और गो तस्करी के खिलाफ सख्त कानून बने हुए हैं। सख्त सजा का भी प्रावधान है। फिर गोरक्षकों को कानून अपने हाथ में लेने का क्या हक है?

जिस घटना से बुलंदशहर समेत पूरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश पल भर में अशांत हो गया, वह घटना स्याना कोतवाली इलाके के महाव गांव की है। जहां खेतों में अज्ञात लोगों ने कुछ मवेशी मार दिए थे। यह सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोग घटनास्थल पर पहुंचे और अवशेषों को ट्रैक्टर-ट्रॉली में भर चिंगरावठी पुलिस चौकी ले गए। जैसा कि होता है पुलिस ने इस मामले में भी अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली, लेकिन गुस्साई भीड़ इस पर संतुष्ट नहीं हुई और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बुलंदशहर-गढ़मुक्तेश्वर हाईवे पर ट्रैक्टर ट्रॉली लगाकर जाम कर दिया। स्याना कोतवाली के इंस्पेक्टर सुबोध कुमार ने पुलिस के साथ सैकड़ों लोगों की भीड़ को समझाने की कोशिश की, पर वे नहीं माने। पुलिस का कहना है कि जब उसने जाम खुलवाना चाहा तो भीड़ ने पथराव कर दिया। स्थानीय लोगों का इल्जाम है कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें पुलिस इंस्पेक्टर समेत एक स्थानीय नागरिक की मौत हो गई।

जिन लोगों ने भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर इस घटना के वीडियो देखे हैं, उनसे साफ मालूम चलता है कि हिंसक भीड़ ने किस बेरहमी से पुलिस इंस्पेक्टर को मारा और जमकर सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान किया। क्या आदमी गुस्से की आग में इतना वहशी भी हो सकता है कि पीट-पीटकर किसी की हत्या कर दे? समाज में कोई भी अपराध घटता है, तो अपराधी को पकड़ने के लिए पुलिस है और उसे सजा दिलाने के लिए कानून। कानून की एक तयशुदा प्रक्रिया है, जिसमें कोई भी हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। कैसा भी अपराध हो, लोग अपने हाथ में कानून नहीं ले सकते। यदि लोग खुद ही इंसाफ करने लगेंगे, तो पुलिस और कानून की क्या भूमिका होगी? गोरक्षा के नाम पर कथित गोरक्षकों द्वारा की जा रही हिंसा का यह पहला मामला नहीं है, बल्कि इस तरह के मामले देश में आए दिन सामने निकलकर आते रहते हैं। इन मामलों में शीर्ष अदालत की कड़ी फटकार और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के बाद भी गोरक्षकों की हिंसा में कोई कमी नहीं आई है। बीते साल जुलाई में शीर्ष अदालत ने जब केंद्र सरकार से इस मामले में जवाब तलब किया था, तो अदालत में अपना हलफनामा दाखिल करते हुए, उसने कहा था कि केंद्र किसी भी तरह ऐसे अपराधियों के संरक्षण की आलोचना करता है। लेकिन अफसोस! केंद्र के इस जवाब के बाद भी देश में गोरक्षा के नाम पर हिंसक घटनाएं नहीं रुकी हैं। हिंसा की ज्यादातर वारदातें भाजपा शासित राज्यों में हुई हैं। जिसमें 10 घटनाओं के साथ यूपी अव्वल नंबर पर है।

सब जानते हैं कि देश के अधिकांश राज्यों में गोहत्या और गो तस्करी के खिलाफ सख्त कानून बने हुए हैं। कई राज्यों में तो इस अपराध के लिए अपराधियों को तीन साल से लेकर उम्र कैद तक की सजा है। फिर गोरक्षकों को कानून अपने हाथ में लेने का क्या हक है? कानून के मुताबिक हिंसक कार्यवाइयों में संलिप्त कथित गोरक्षकों पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन राज्य सरकार से इन्हें बकायदा पहचान पत्र मिले हुए हैं, जिससे ये कार्रवाई से छूट पा रहे हैं। बुलंदशहर मामले को यदि देखें, तो यह बात सच है कि वहां खेतों में गोवंश अवशेष मिले हैं। लेकिन गोहत्या किसने और क्यों की? यह जांच के बाद ही मालूम चलेगा। इसके पीछे बड़ी साजिश भी हो सकती है? पश्चिमी उत्तर प्रदेश सांप्रदायिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील है, घटना की आड़ में कहीं इस पूरे क्षेत्र को सुलगाने की कोशिश तो नहीं हो रही? जिससे भविष्य में वोटों की फसल काटी जा सके। गोरक्षा के नाम पर जो लोग गुंडागर्दी कर रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही जरूरी है। फिर वे चाहे किसी पार्टी या संगठन से जुड़े हुए हों। यदि सरकारें इस मामले में संजीदा होतीं, तो सबसे पहले गोरक्षा के नाम पर बने नाजायज और गैर कानूनी संगठनों पर पूरी तरह से पाबंदी लगातीं। फिर उसके बाद हिंसक घटनाओं में शामिल उत्पाती लोगों पर कड़ी कार्यवाही की सिफारिश करतीं। लेकिन अफसोस! ऐसी कोई सकारात्मक पहल कहीं से नहीं हुई है। यही वजह है कि इन कथित गोरक्षकों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। कल तक इनके निशाने पर सिर्फ अल्पसंख्यक और दलित वर्ग के ही लोग थे, अब पुलिस प्रशासन भी आ गया है। इन कथित गोरक्षकों ने बुलंदशहर में पहले अकेले पड़ गए एक पुलिस इंस्पेक्टर को दौड़ा-दौड़ाकर मारा-पीटा और फिर उसकी गोली मारकर जान ले ली। गोरक्षा की आड़ में इन कथित गोरक्षकों ने जिस तरह से कानून का खुला उल्लंघन किया है, वह बेहद निंदनीय है।

बुलंदशहर मामले की जांच के लिए कहने को योगी सरकार ने आईजी की अध्यक्षता में एक एसआईटी बना दी है। दिवंगत इंस्पेक्टर की पत्नी को चालीस लाख रुपए, परिवार को दस लाख रुपए मुआवजा और घर के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का ऐलान भी किया है, लेकिन यह एसआईटी निष्पक्ष जांच करेगी, इंसाफ पसंदों का इस बात का जरा सा भी यकीन नहीं है। सरकार इस मामले की जांच के लिए यदि वाकई गंभीर है, तो वह अदालत की निगरानी में एसआईटी का गठन करे। ताकि इस घटना का पूरा सच देश के सामने आ सके। यही नहीं राज्य में उन तथाकथित गोरक्षक संगठनों पर पाबंदी लगाई जाए, जो गोहत्या के नाम पर बेकसूरों को जान से मारने के लिए जरा सा भी नहीं हिचकते। देश में इस तरह के मामले कहीं भी पेश आएं, बेहद संवेदनशील हैं। इस तरह के मामलों पर पुलिस और सरकार को तुरंत कार्यवाही करना चाहिए। लेकिन अफसोस, सरकारें कहीं भी तत्परता से काम नहीं करतीं। यही वजह है कि कभी तो राजस्थान के अलवर, उत्तर प्रदेश के बिसाहड़ा, सहारनपुर तो कभी झारखंड के जमशेदपुर से भीड़ द्वारा हिंसक घटनाओं के होने की खबरें आती ही रहती हैं। बुलंदशहर और आसपास के इलाकों में किसने गोहत्या होने की अफवाह फैलाई व किसने बेगुनाहों के खून से होली खेली, यह जांच का विषय है। उत्तरप्रदेश सरकार पहले इस पूरे मामले की निष्पक्ष ढंग से जांच कराए और जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले। वरना इस तरह के मामलों में कमी नहीं आएगी और अपराध करने वालों की संख्या बढ़ती जाएगी। बुलंदशहर की वारदात को हमें बेहद गंभीरता से लेना होगा और मुकम्मल व्यवस्था बनानी होगी।

जाहिद खान
(वरिष्ठ पत्रकार)

ट्विटर

अगस्ता वेस्टलैंड मामले में कानून अपना काम करेगा और जो भी सच होगा उसे जनता के साथ साझा किया जाएगा। अगस्ता मामला सीधे सीधे एक परिवार से जुड़ा हुआ है।

रविशंकर प्रसाद, कानून मंत्री

अगस्ता मामले के बिचौलिये मिशेल के भारत आने के बाद कांग्रेस जरूर बैकफुट पर दिखेगी। राफेल मुद्दे की काट के रूप में अब भाजपा को अगस्ता वेस्टलैंड मिल गया है।

पीके सहगल, विशेषज्ञ

सत्यार्थ

भाषा नहीं, भावना जरूरी

सन-1912 में गोपाल कृष्ण गोखले दक्षिण अफ्रीका गए। वहां उनका जबर्दस्त स्वागत हुआ। उनके सम्मान में अनेक स्थानों पर भोज का आयोजन किया गया, जिसमें अच्छी-खासी संख्या में यूरोपीय और भारतीय मूल के लोग शामिल हुए थे। गोखले वहां पर लोगों को संबोधित करते, मगर भाषण देने में उन्हें कठिनाई होती थी, क्योंकि वहां अंग्रेजी का प्रयोग करना अप्रासंगिक था और हिंदी वह धाराप्रवाह बोल नहीं सकते थे। उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि भारतीयों से उनकी भाषा में कैसे संवाद करें। एक दिन उन्होंने महात्मा गांधी से कहा-भाषा की इस विकट समस्या को कैसे सुलझाया जाए? मैं बस धाराप्रवाह मराठी बोल सकता हूं, मगर वह भाषा यहां किसी की समझ में नहीं आएगी और हिंदी में मैं कमजोर हूं। गांधीजी ने गोखले की बात सुनी। कुछ देर सोचकर वे बोले-इसका हल मेरे पास है। आप मराठी में बोलें और मैं उसका हिंदी में अनुवाद करता चलूंगा। इस तरह यहां भारतीय भाषाओं के ही साथ हिंदी को भी बढ़ावा मिलेगा। गांधीजी का सुझाव सुनकर गोखलेजी दंग रह गए और उन्होंने मराठी में भाषण देना शुरू कर दिया। गांधीजी उसका हिंदी में अनुवाद करते चले और लोग आराम से भाषण सुनते रहे। एक दिन गोखले गांधीजी से बोले-आपको तो मराठी अच्छी तरह से नहीं आती, मगर फिर भी आप मेरी मराठी का एकदम सही अनुवाद कैसे कर लेते हैं? गांधीजी मुस्कराकर बोले-प्रेम, विश्वास और जनहित की बात समझने के लिए भाषा की नहीं, भावना की जरूरत होती है और वह मेरे पास है। गांधीजी का जवाब सुनकर गोखलेजी मंत्र-मुग्ध हो गए और बोले-आप सही कहते हैं। काश! ऐसी ही भावना रखकर विश्व का प्रत्येक व्यक्ति काम करे।

रेनू सैनी

सार समाचार

स्पेस एक्स ने कार्गो शिप किया लॉन्च, लेकिन रॉकेट को जमीन पर उतरने में विफल

टम्पा। अमेरिका की निजी कंपनी स्पेसएक्स ने बुधवार को अपने मानवरहित ड्रैगन कार्गो शिप का प्रक्षेपण किया जिसमें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए आपूर्ति, विज्ञान प्रयोग और भोजन भेजा गया है। स्पेसएक्स के अधिकारी जॉन इंसप्रकर ने कहा, ''हमने एक महान प्रक्षेपण किया।'' छप्पन हजार पाउंड (25,00 किलोग्राम) गियर लेकर फाल्कन 9 रॉकेट ने फ्लोरिडा के केप कैनवेरल से दोपहर एक बजकर 16 मिनट पर उड़ान भरी। नासा की ओर से अंतरिक्ष में सामग्री पहुंचाने के लिये स्पेसएक्स का यह 16वां मिशन था। ड्रैगन कार्गो शिप कक्षा में सफलतापूर्वक पहुंच गया, जो प्रक्षेपण का प्राथमिक लक्ष्य था, लेकिन रॉकेट का लंबा हिस्सा केप केनवेरल के लैंडिंग जोन 1 की जमीन पर सुरक्षित नहीं उतर पाया। कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने ट्विटर पर लिखा कि ग्रिड फिन हाइड्रोलिक पंप ठप हो गया, इस कारण फाल्कन को समुद्र में उतारा गया। यह पहली बार है, जब स्पेसएक्स जमीन पर बूस्टर को उतारने में असफल रही है। इससे पहले 12 बार स्पेसएक्स ने सफलापूर्वक बूस्टर को जमीन पर उतारा है।

कनाडा ने चीनी कंपनी हुवाई टेक्नोलॉजीज की सीएफओ को गिरफ्तार किया

टोरंटो। कनाडा ने चीन की कंपनी हुवाई टेक्नोलॉजीज की मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) को गिरफ्तार किया है। उन्हें अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा सकता है। विधि विभाग के प्रवक्ता इयान मैकलोएड ने बुधवार को बताया कि मेंग वानझोउ को ब्रिटिश कोलंबिया के वैंकूवर से शनिवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि अमेरिका मेंग के प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। मैकलोएड ने कहा कि फिलहाल इस संबंध में सूचनाओं के प्रसारण पर प्रतिबंध है और वह विस्तृत जानकारी नहीं दे सकते हैं। प्रतिबंध मेंग के अनुरोध पर लगाया गया है। उनकी जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होनी है। गौरतलब है की वॉल स्ट्रीट जर्नल ने वर्ष की शुरूआत में खबर दी थी कि अमेरिका चीनी कंपनी हुवाई द्वारा ईरान के खिलाफ लगे प्रतिबंधों के उल्लंघन की जांच कर रहा है। मेंग कंपनी बोर्ड की डिप्टी चेयरपर्सन भी हैं और कंपनी के संस्थापक रेन झेंगफेई की बेटी हैं।

विलुप्त होने की कगार पर पहुंचे रैट कंगारू, 30 साल में घटी इतनी आबादी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया में कुकुरमुत्ता खाने वाले रैट कंगारूओं की संख्या में काफी कमी आई है और अगर इस प्रजाति को तुरंत नहीं बचाया गया तो यह विलुप्त हो सकती है. बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई. वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड ने कहा कि उत्तरी क्वीन्सलैंड राज्य के शुष्क तटीय ऊष्णकटिबंध में रैट कंगारू की केवल दो आबादियां बची हुई हैं. इनकी संख्या करीब 2500 है जो 30 वर्ष पहले की आबादी से 70 फीसदी कम है. खरगोश के आकार के रैट कंगारूओं को जंगली बिल्लियों, जमीन का सफाया किए जाने और जंगलों में आग लगने से खतरा उत्पन्न हो गया है. क्वीन्सलैंड में जलवायु परिवर्तन के कारण अक्सर ऐसी घटनाएं देखने को मिलती हैं. ऑस्ट्रेलिया में प्रजाति संरक्षण के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के वरिष्ठ प्रबंधक टिम क्रोनिन ने कहा, ''जलवायु परिवर्तन के कारण हमें पता है कि जल्द ही जंगलों में बड़े पैमाने पर आग लग सकती है.''

विश्व बैंक का दावा, बाल विवाह से अफ्रीकी देशों को अरबों का नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अकरा = विश्व बैंक की एक नई रिपोर्ट के अनुसार उप-सहारा अफ्रीका में एक तिहाई से अधिक लड़कियों का विवाह उनके 18वें जन्मदिन से पहले कर दिया जाता है, जिससे देशों को अरबों डॉलर का नुकसान होता है. रिपोर्ट के मुताबिक 12 देशों में किए गए अध्ययन के अनुसार ये लड़कियां अन्य बालिकाओं की तुलना में कुछ ही साल तक शिक्षा हासिल कर पाती हैं और इस वजह से इन देशों को 63 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ता है.

इस तरह की एक कहानी रुविंबो तोपोजी की है जिसे 15 साल की उम्र में 22 साल के शख्स से इसलिए शादी करनी पड़ी थी क्योंकि उसके पिता ने दोनों को साथ में देखकर समझ लिया था कि दोनों रिश्ते में हैं. उस समय वह शख्स तोपोजी से शादी करने के लिए कह रहा था. तोपोजी ने मना कर दिया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और पिता की नजर दोनों पर पड़ गई.

पिता ने बच्ची का नाम स्कूल से कटाकर उस शख्स से शादी करा दी. कुछ दिन बाद वह गर्भवती हो गई. जब उसका पति गाली-गलौज करने लगा तो उसे वापस अपने परिवार के पास आने दिया गया. तबसे तोपोजी अन्य लड़कियों को इस बुरे अनुभव से बचाने के लिए प्रयासरत है.

उसने सरकार पर भी कानून में बदलाव करने और शादी के लिए सहमति देने की न्यूनतम कानूनी उम्र 16 से 18 साल करने की मांग की. तोपोजी ने इस विषय पर घाना की राजधानी अकरा में हाल ही में हुए एक सम्मेलन में कहा, ''मां बनकर बाल विवाह की जकड़न से निकलने के बाद मैं इस प्रथा को समाप्त करने के लिए जद्दोजहद कर रही हूं.''

'एजुकेटिंग गर्ल्स एंड एंडिंग चाइल्ड मैरिज' शीर्षक से रिपोर्ट में विश्व बैंक ने कहा कि बच्चियां अधिक माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करेंगी तो उनकी शादी 18 की उम्र से पहले होने की संभावना पांच प्रतिशत या उससे अधिक घट जाएगी.

अफ्रीकी संघ ने 2023 तक बाल विवाह रोकने के लिए अभियान चलाया है और तब से 24 देशों ने इस प्रथा को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय रणनीतियों पर अमल करना शुरू कर दिया है. 'गर्ल्स नॉट ब्राइड्स' संगठन की वेत्ते कठुरिमा मुहिया ने कहा कि इसके अलावा भी बहुत कुछ करना जरूरी है और खासकर बच्चियों को मुफ्त भोजन, सैनिटरी का सामान और परिवहन के साधन मुहैया कराकर स्कूलों में कायम रखना जरूरी है.

तिब्बतियों पर अपने दलाई लामा को थोपने के चीन की कोशिश का विरोध करेगा अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

वॉशिंगटन- अमेरिका ने संकेत दिया है कि तिब्बत के लोगों पर चीन द्वारा अपना दलाई लामा थोपे जाने के किसी भी कदम का वह विरोध करेगा क्योंकि वॉशिंगटन का मानना है कि तिब्बत के वर्तमान शीर्ष बौद्ध नेता के उत्तराधिकारी का चुनाव धार्मिक परम्पराओं के मुताबिक होना चाहिए और इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए.

चीन को इस बात की चिंता सता रही है कि 14वें दलाई लामा का उत्तराधिकारी कौन होगा. वर्तमान दलाई लामा की उम्र 83 वर्ष है और फिलहाल वह निर्वासन में भारत में रह रहे हैं. उन्हें शीर्ष लामाओं ने उस समय दलाई लामा घोषित किया था जब वह केवल दो वर्ष के थे.

चीन का दावा उत्तराधिकारी को नियुक्त करने का अधिकार उसके पास

तिब्बत की बौद्ध परम्पराओं के मुताबिक जब वर्तमान

दलाई लामा का निधन होगा तो दूसरे व्यक्ति के रूप में उनका पुनर्जन्म होगा. चीन का कहना है कि 14वें दलाई लामा के उत्तराधिकारी को नियुक्त करने का अधिकार उसके पास है जो बीजिंग के प्रति वफादार हो.

सांसदों के समक्ष ट्रंप प्रशासन के रुख को स्पष्ट करते हुए मंगलवार को लॉरा स्टोन ने कहा कि अमेरिका का मानना है कि धार्मिक निर्णय धार्मिक संगठनों द्वारा किए जाने चाहिए न कि राजनीतिक सत्ता द्वारा. स्टोन पूर्वी एशियाई एवं प्रशांत क्षेत्र मामलों की कार्यवाहक उप सहायक विदेश मंत्री हैं.

यूएस का स्पष्ट रुख है कि धार्मिक निर्णय धार्मिक संगठनों के अंदर किए जाने चाहिए

स्टोन ने पूर्वी एशिया पर सीनेट विदेश संबंध की उप समिति से कहा,'अमेरिका का स्पष्ट रुख है कि धार्मिक निर्णय धार्मिक संगठनों के अंदर किए जाने चाहिए और यह काम सरकार का नहीं है.' स्टोन सीनेटर कोरी गार्डनर के एक सवाल का जवाब दे रही थीं. सीनेटर ने पूछा था,'चीन ने कहा है कि वे अगले दलाई लामा को चुनेंगे. तिब्बत की नीति में बताया गया है कि अमेरिका के अधिकारी नियमित रूप से तिब्बत का दौरा करेंगे. मैं इन दोनों पर बात करना चाहता हूं. अगर चीन दलाई लामा थोपता है तो अमेरिका की क्या प्रतिक्रिया होगी?'

भारत ने ईरान को कच्चे तेल का भुगतान रुपये में करने के लिए करार किया

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ने ईरान को कच्चे तेल का भुगतान रुपये में करने का करार किया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने भारत और सात अन्य देशों को प्रतिबंध के बावजूद ईरान से कच्चा तेल खरीदने की छूट दी है। ईरान पर यह प्रतिबंध 5 नवंबर से लागू हुआ है। इसी के बाद रुपये में भुगतान के लिए सहमति ज्ञापन (एमओयू) किया गया था। सूत्रों ने बताया कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां, नेशनल ईरानियन आयल कंपनी (एनआईओसी) के यूको बैंक खाते में रुपये में भुगतान करेंगी।

सूत्रों ने कहा कि इसमें से आधी राशि ईरान को भारत द्वारा किए गए वस्तुओं के निर्यात के भुगतान के निपटान को रखी जाएगी। अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत भारत द्वारा ईरान को खाद्यान्न, दवाओं और चिकित्सा उपकरणों का निर्यात किया जा सकता है। भारत को अमेरिका से यह छूट आयात घटाने तथा एस्क्रो भुगतान के बाद मिली है। इस 180 दिन की छूट के दौरान भारत प्रतिदिन ईरान से अधिकतम तीन लाख बैरल कच्चे तेल का आयात कर सकेगा। इस साल भारत का ईरान से कच्चे तेल का औसत आयात 5,60,000 बैरल प्रतिदिन रहा है। सूत्रों ने कहा कि भारत, ईरान के तेल का चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। अब ईरान से भारत मासिक आधार पर 12.5 लाख टन या डेढ़ करोड़ टन सालाना या तीन लाख बैरल प्रतिदिन की कच्चे तेल की ही खरीद कर सकता है। वित्त वर्ष 2017-18 में भारत ने ईरान से 2.26 करोड़ टन या 4,52,000 बैरल प्रतिदिन की तेल की खरीद की थी।

अमेरिका यदि प्रतिबंधित मिसाइलें बनायेगा तो रूस भी ऐसा ही करेगा : पुतिन

वाशिंगटन (एजेंसी)।

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को चेतावनी दी कि यदि अमेरिका प्रतिबंधित मिसाइलों को विकसित करता है तो रूस भी ऐसा ही करेगा। पुतिन ने कहा कि अमेरिका यदि एक महत्वपूर्ण हथियार संधि से बाहर निकलता है और उसके द्वारा प्रतिबंधित मिसाइलों को विकसित करना शुरू करता है तो रूस भी ऐसा ही करेगा।

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने नाटो की एक बैठक में घोषणा की थी कि अमेरिका रूसी ''धोखाधड़ी'' के कारण 60 दिनों में इंटरमीडिएट-रेंज न्यूक्लियर फोर्सेस ट्रिटी (आईएनएफ) के तहत अपने दायित्वों को छोड़ेगा। पोम्पियो के बयान के एक दिन बाद बुधवार को पुतिन का बयान आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस वर्ष की शुरूआत में आईएनएफ से अलग होने के अपने निर्णय की घोषणा की थी।

पुतिन ने टेलीविजन पर दिये अपने बयान में कहा,''ऐसा लगता है कि हमारे अमेरिकी सहयोगियों का मानना है कि स्थिति इतनी बदल गई है कि अमेरिका के पास इस प्रकार के हथियार होने चाहिए।'' उन्होंने कहा,''हमारी प्रतिक्रिया क्या होगी? एक बहुत ही सरल- उस मामले में, हम वही करेंगे।'

चीन के नजरबंदी शिविरों में बंद हैं आठ से बीस लाख धार्मिक अल्पसंख्यक

वाशिंगटन (एजेंसी)।

ट्रंप प्रशासन ने संसदीय सुनवाई के दौरान अपने देश के सांसदों को बताया कि चीन के नजरबंदी शिविरों में करीब आठ से बीस लाख धार्मिक अल्पसंख्यक बंद हैं। संसदीय सुनवाई के दौरान 'ब्यूरो ऑफ ह्यूमन राइट डेमोक्रेसी एंड लेबर' में उप सहायक विदेश मंत्री स्कॉट बुस्बी ने आरोप लगाया कि चीन दुनिया के अन्य तानाशाह शासनों के ऐसे दमनात्मक कदमों का समर्थन कर रहा है।

उन्होंने कहा, ''अमेरिका सरकार का आकलन है कि अप्रैल, 2017 से चीनी अधिकारियों ने उइगुर, जातीय कजाक और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों के कम से कम आठ लाख से बीस लाख सदस्यों को नजरबंदी शिविरों में अनिश्चितकाल के लिए बंद कर रखा है।'' सीनेट की विदेश मामलों की उपसमिति के समक्ष बुस्बी ने बताया कि सूचनाओं के अनुसार हिरासत में रखे गए ज्यादातर लोगों के खिलाफ कोई आरोप नहीं लगाया गया है और उनके परिजनों को उनके ठिकानों के बारे में बेहद कम या कोई जानकारी नहीं है।

पहले-पहल तो चीन ने ऐसे शिविरों के अस्तित्व से इंकार किया था लेकिन इस संबंध में सार्वजनिक रूप से खबरें आने के बाद चीनी अधिकारी अब बता रहे हैं कि ये केंद्र 'व्यावसायिक शिक्षा केन्द्र' हैं। बुस्बी ने कहा, हालांकि यह तथ्य गलत प्रतीत होता है क्योंकि उन शिविरों में कई लोकप्रिय उइगुर बुद्धिजीवी और सेवानिवृत्त पेशेवर भी शामिल हैं।

उत्तर कोरिया अब भी कर रहा है परमाणु मिसाइलों पर काम! सैटेलाइट तस्वीरों में गतिविधि दिखी

वाशिंगटन (एजेंसी)।

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच शिखर सम्मेलन के बाद से प्योंगयांग ने अपने एक महत्वपूर्ण मिसाइल प्रतिष्ठान का विस्तार किया है. यह बात सीएनएन द्वारा बुधवार को प्रकाशित उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों के आधार पर कही गई है.

सीएनएन के अनुसार, उत्तर कोरिया ने पर्वतीय क्षेत्र स्थित अपने यीओंगजेओ-डोंग मिसाइल प्रतिष्ठान को उन्नत किया है और एक अन्य प्रतिष्ठान का निर्माण किया है जो पूर्व में सार्वजनिक रूप से पहचान में नहीं आया था. पेंटागन ने एक बयान में कहा, ''हम उत्तर कोरिया पर करीब से नजर रखते हैं, लेकिन हम खुफिया जानकारी पर चर्चा नहीं कर सकते.'' ट्रंप ने शनिवार को कहा था कि वह 2019 की शुरुआत में किम के साथ दूसरे शिखर सम्मेलन की उम्मीद करते हैं. अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने गुरुवार को कहा था कि ट्रंप का मानना है कि किम ने सिंगापुर शिखर सम्मेलन में किए गए वादों को नहीं निभाया है.

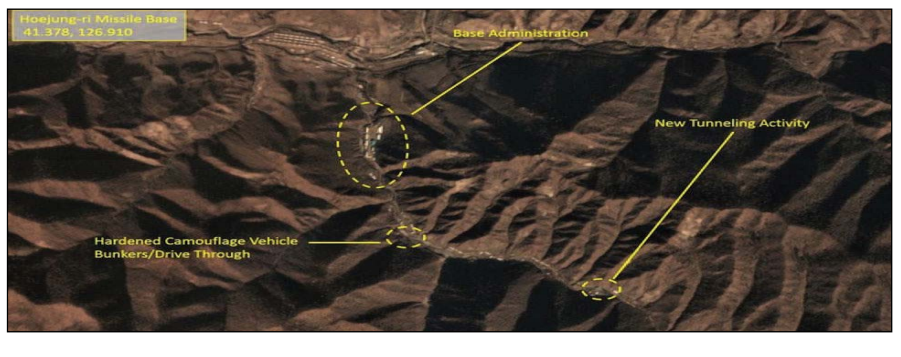

ईरान के चाबहार शहर में आत्मघाती हमले में दो लोगों की मौत

तेहरान (एजेंसी)।

ईरान के अशांत दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चाबहार में बृहस्पतिवार की सुबह एक पुलिस मुख्यालय पर आत्मघाती कार बम हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की संख्या के बारे में यह संशोधित सरकारी आंकड़ा जारी किया गया है। चाबहार शहर सिस्तान बलूचिस्तान प्रांत में है जहां पाकिस्तान के बलूची अलगाववादी और सुन्नी मुस्लिम चरमपंथी शिया अधिकारियों को निशाना बनाते हुए सीमापार हमला करते रहते हैं।

प्रांत की सुरक्षा से जुड़े डिप्टी गवर्नर मोहम्मद हादी मारशी ने सरकारी टेलीविजन पर कहा, ''इस आतंकवादी हमले में पुलिस बल के दो सदस्य शहीद हो गये।''इससे पहले चाबहार के गवर्नर रहमदेल बामेरी ने कहा था कि कार बम हमलावर के विस्फोट कर खुद को उड़ा लेने पर चार लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये।

बाद में मरने वालों की संख्या संशोधित कर दो बतायी गयी। बामेरी ने सरकारी टेलीविजन से कहा था, ''विस्फोट जबर्दस्त था और इससे आसपास के कई भवनों की खिड़कियों के शीशे चटक गये।'' उन्होंने बताया कि आसपास के कई दुकानदार और उस वक्त वहां से गुजर रहे कई लोग हमले में गंभीर रुप से घायल हो गये। चाबहार शहर पाकिस्तान सीमा के पश्चिम में करीब 100 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां खासकर सुन्नी बलुची मुसलमान बड़ी संख्या में है जिनका बसाहट दोनों देशों में है।

विश्व हिन्दू परिषद का विराट धर्म सभा 16 दिसंबर को

सूरत। विश्व हिन्दू परिषद सूरत महानगर की और से अयोध्या में रामजन्म भूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए विराट धर्म सभा का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम का आयोजन शहर के लिंबायत क्षेत्र स्थित विशाल नीलगिरी मैदान में होगा। जिसमें लगभग 1 लाख लोगों के आने की संभावना है। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारियों ने पत्रकारों से कहा कि 16 दिसंबर 2018 रविवार को नीलगिरी ग्राउंड मे ंसांय 5 बजे से विराट धर्म सभा आरंभ होगा। जिसकी तैयारियों के लिए परिषद के केंद्रीय कार्यालय का शुभारंभ किया गया है। इस कार्यालय का उद्घाटन 6 दिसंबर, बुधवार को किया गया है। उधना दरवाजा स्थित श्लोक विजनेश सेंटर में कार्यालय खोला गया है। धर्मसभा में उपस्थित साधु संत राममंदिर निर्माण के मार्ग का प्रशस्त करने की रणनीति बताई जाएगी। केन्द्र सरकार पर मंदिर निर्माण के लिए कानून बनाने का दबाव डालने के लिए हिन्दुओं को जगाने का कार्य किया जाएगा। इस तरह का कार्य न केवल सूरत में बल्कि देश के अन्य शहरों में भी आयोजित किए जाएंगे। धर्मसभा में मदिर निर्माण के लिए संभावित उपयों पर चर्चा की जाएगी देश भर के सासंदों को पत्र लिखकर मंदिर निर्माण के लिए कानून बनाने का दबाव दिया जाएगा। धर्मसभा को सफल बनाने के लिए परिषद के कार्यकर्त्ता घर-घर जाकर लोगों को जागरुक करेंगे। इसके लिए घर-घर ईट का पूजन किया जाएगा। विश्व हिन्दू परिषद की तरफ से कार्यक्रम का सफल बनाने के लिए सभी हिन्दुओं से निवेदन किया गया है।

अखिल भारतीय युवा मोर्चा की रैली को पुलिस ने किया निष्फल

सूरत। गुरुवार 6 दिसंबर की सुबह वेसू के फोर प्वाइंट से निकलने वाली रैली को पुलिस ने निष्फल कर दिया। यह रैली वैसू से निकल कर पांडेसरा के पीयूश प्वाइंट होते हुए नानपुरा स्थित क्षेत्र पाल दादा मंदिर पर सम्पन्न होने वाली थी।

सुबह 6 बजे यात्रा शुरु होने से पहले मौके पर पुलिस पहुंच गई थी। मौके पर पहुंचे कार्यकर्त्ताओं को पुलिस ने कस्टडी में ले लिया।

6 दिसंबर को ही बाबरी मस्जिद का विध्वंस किया गया था। जिसे हिंदुवादी संगठनों द्वारा शौर्य दिवस के रुप में मनाया जाता है। इसी उपलक्ष्य में वेसू केफोर प्वाइंट से शौर्य यात्रा का आयोजन किया गया था। 10 किमी लम्बी इस यात्रा में 500 से अधिक कार्यकर्त्ताओं को शामिल होना था। यात्रा पूर्ण होने के बाद कार्यकर्त्ताओं को राम मंदिर निर्माण के लिए लोगों को जागरुक करना था।

परन्तु पुलिस प्रशासन ने कानून और व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी थी। बावजूद इसके कार्यकर्त्ता रैली निकालने पर आमादा थे। घटना की मंभीरता को देखते हुए उमरा पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंच गई। रैली की शुरुआत हो उससे पहले ही पुलिस ने मौके पर पहुंचे कार्यकर्तओं को गिरफ्तार कर लिया।

पत्नी को फोन करने वाले युवक पर धारदार हथियार से हमला

सूरत। मेरी पत्नी को क्यों फोन करते हो? यह कहकर उसके पति ने अपने मित्रों के साथ मिलकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। युवक की हालत मंभीर बताई जा रही है। सचिन पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पारडी कणदे, करुणा पार्क निवासी नुपराम करण ने आरोपी सतीष, ईश्वर बांस फोड़िया तथा उसके मित्रों के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में फरीयादी ने कहा है कि तीनों आरोपीयों ने मेरे पास अचानक आकर कहा कि तुम मेरी पत्नी को क्यों फोन करते हो और मेरे साथ धक्कामुक्की करने लगे। उसके बाद उन तीनों ने गाड़ी में से लोहे के रोड़ निकाल कर मारना शुरु कर दिया। साथ ही धारदार चाकू से हमला कर दिया। लहुलुहान करने के बाद तीनों जान से मारने की धमकी देते हुए वहा से फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

जेब से 32 हजार की चोरी

सूरत। शहर के डिंडोली इलाके स्थित सनसिटी रो हाउस में रहनेवाले भवन निर्माता के मकान से अज्ञात ने प्रवेश कर पैंट की जेब से नकदी 32500 रुपए और मोबाइल समेत 39500 रुपए का सामान चोरी कर फरार हो गए। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डिंडोली खरवासा रोड सनसिटी रो हाउस में रहनेवाले कॉन्ट्रैक्टर मनीष श्रीमंत माधवराव कामले के मकान में मंगलवार रात को किसी अज्ञात ने प्रवेश कर उसके पैंट की जेब से नगद 32500 रुपए और मोबाइल समेत 39500 रुपए के सामान की चोरी कर ली और फरार हो गए। पुलिस ने मनीष की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

लोक रक्षक दल पेपर लीक मामले का मुख्य आरोपी

यशपाल चढ़ा पुलिस के हत्थे

सूरत। लोक रक्षक दल भर्ती के प्रश्नपत्र लीक मामले का मुख्य आरोपी यशपालसिंह सोलंकी अखिरकर पुलिस के हत्थे चढ गया। पुलिस ने महिसागर के वीरपुर से आरोपी को पकड़ लिया। यशपाल चिलोड़ से दिल्ली गया था। उसे दिल्ली में पेपर लीक गैंग से प्रश्नपुत्र की कापी प्राप्त किया था। आरोपी यशपाल सिंह सोलंकी को भी लोक रक्षक दल की परीक्षा देनी थी। यशपाल का परीक्षा केन्द्र सूरत में ही था। वह एटीएस क्राइम ब्रांच गांधीनगर पुलिस की रडार पर था। पुलिस ने उसे नींद में सोते हुए पकड़ा। अब तक इस मामले में 13 आरोपियों की धरपकड़ हो चुकी है। पेपर लीक मामले में पकड़े गए 5 आरोपियों की 10 दिन का पुलिस रिमांड मंजूर हुआ है। यशपाल सिंह सोलंकी बडोदर कार्पोरेशन में 11 महिनें के कांट्रेक्टर पर नौकरी करता था। वह पेपर लीक कोड के बाद से ही वह फरार था। जिसे पुलिस ने गुरुवार को महिसार के वीर पुर से सोते हुए पकड़ लिया।

कपडा बाजार में खरीदी करने आए युवक को लूटा

सूरत। शहर के रिंग रोड़ स्थित कपड़ा बाजार में खरीदारी कने आए युवक को पाकटे मारों ने दिन दहाड़े लूट लिया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार सलाबत पुरा स्थित गौतम मार्केट के सामने खड़े युवक को मोटर साइकिल से आए दो झपटमारों ने युवक की जेब 20,300 रुपये छीनकर फरार हो गए। पंचमहाल से सूरच कपड़े की खरीदारी करने असपाक यूनूस मदारी आया था। 4 दिसंबर को वह मौतम मार्केट के सामने से जा रहा था तभी पीछ से मोटर साईकिल पर आ रहे दो बदमाशों ने असफाक का कालर पकड़ लिया तथा धक्का मुक्की कर उसकी जेब से रुपये छीन लिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

उधार में माल देने के बाद

रुपयों के बदले मिली धमकी

सूरत। शहर के रिंग रोड़ स्थित कुंदन टेक्सटाइल मार्केट में दुकान चलाने वाले कपड़ा व्यापारी से 3.50 लाख का माल उधार में लेने के बाद मामल का भुगतान के बदले धमकी देने वाले के विरुद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

सलाबतपुरा पुलिस से मिली जानकारी अनुसार सुमुल डेरी रोड, अलकापुरी सोसायटी निवासी व्यापारी सूर्यकांत जशवंतलाल नागदा ने आरोपी महबू भाई फकीर भाई 301, कुंदन टोक्सटाईल मार्केट रिंग रोड़ सूरत के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दिए शिकायत में कहा गय ाहै कि आरोपी महबूब ने फरीयादी सूर्यकांत से 3,50,886 रुपये कीमत के सिल्क का कपड़ा खीदा था। जिसका भुगतान आरोपी द्वारा नहीं किया जा रहा है। माल के भुगतान की बात करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

भोस्तान जी.ई.बी. आफिस में लगी आग

विजली के सामान सहित कागजात हुए खाक

सूरत। गुरुवार की सुबह भेस्तान के सिद्धार्थ नगर स्थित विधाता काम्पलेक्स स्थित जी.ई. बी आफिस मे ंकचरे की आग ने आफिस को अपनी चपेट में ले लिया। जिसमें आफिस में रखा विजली का सामान सहित कागजात जलकर भस्म हो गया। गनीमत यह रहा कि आग से किसी प्रकार की जानहानि नहीं हुई। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार गुरुवार की सुबह भेस्तान के सिद्धार्थ नगर स्थित विधाता काम्पलेक्स के ग्राउंड फ्लोर के दुकान नं. 10 में दक्षिण गुजरात विधुत कम्पनी का आफिस है जिसमें आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को मिली। सूचना मिलते ही फायर के जवान लाव लश्कर सहित घटना स्थल पर पहुंच गए और कड़ी मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

अक्टूबर महीने में २४ गिर शेयर जान गंवा चुके हैं

गिर में शेरनी का सड़ा-गला शव बरामद होने से सनसनी

गांधीनगर। गुजरात के वन विभाग ने गिर में एक शेरनी का सड़ा-गला शव बरामद किया है। उसकी मौत के कारणों का हालांकि अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन उसके तीन शावकों की तलाश की जा रही है।

गिर के तलाल में अंबलाश क्षेत्र के एक किसान खीमाभाई मंसीभाई भोला ने गुरुवार को अपने खेत में इस मरी हुई शेरनी को देखा। इसके शावकों के बारे में पता लगाया जा रहा है। इससे पहले गिर के जंगलों में खतरनाक कैनाइन डिस्टेंपर वायरस और प्रोटोजोआ संक्रमण के कारण बड़ी संख्या में मौत हो गई थी।

इससे पहले अक्टूबर महीने में खतरनाक वायरस से २४ गिर शेयर जान गंवा चुके हैं। अमरेली जिले में कुल २६ शेरों वाले अभयारण्य का केवल २० दिनों में लगभग सफाया हो गया था। इनमें से कुछ शेर खतरनाक कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) से ग्रसित पाए गए थे। मौजूदा मामला वन विभाग के अदिकारियों के बीच चिंता का सबब बना हुआ था। जानकारी के अनुसार १२ से १६ सितंबर के दौरान मरनेवाले ४ शेर भी कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) का शिकार थे।

गुजरात के वन एवं पर्यावरण मंत्री गणपत वसावा ने बताया था कि नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरॉलजी पुणे की शुरुआती रिपोर्ट में चार शेरों में घातक वायरस सीडीवी की पुष्टि हुई है। हम दूसरे शेरों में संभावित सीडीवी पाए जाने की अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं

गेस्ट हाउस में चल रहे जुए के अड्डे पर पुलिस का छापा

सूरत। शहर के लाल दरवाजा क्षेत्र स्थित मुरलीधर गेस्ट हाउस में चल रहे जुए के अड्डे पर गुरुवार को पुलिस ने छापा मारकर 2.77 लाख का मुद्दा माल जप्त किया।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार पुलिस सब इंस्पेक्टर एस.एस. देसाई तथा ए.एस.आई अनिल भाई विनजजी भाई, भरत भाई गोपाल, दामजी भाई धनजीभाई अशोक भाई नारायण भाई, अल्केश भाई रमणभाई, अशोक लाभुभाई तथा पी.सी.बी के राकेश भाई बल्लभभाई सूरत शहर क्षेत्र में गस्त कर रहे थे। इसी बीच एस.ओ.जी के पुलिस कांस्टेबल अशोक लाभुभाई को सूचना मिली की महिधरपुरा लाल दरवाजा के पास स्थित युवराज होटल के पीछे मुरलीधर गेस्ट हाउस में जुए का अड्डा चल रहा है। गेस्ट हाउस का मैनेजर पैसों की लालच में यहां जुए का अड्डा चला रहा है। मिली सूचना के आधार पर गैस्ट हाउस में जब पुलिस ने छापा मारी तो गेस्ट हाउस के रुम नं. 40 में अभिषेक अशोक कुमार जैन नाम के व्यक्ति ने इसे जुआ खेलने के लिए भाडे पर लिया था ऐसी जानकारी मिली है।

मार्केट के व्यापारी के साथ 3.50 लाख की धोखाधड़ी

सूरत। शहर के रिंग रोड की युनिवर्सल टेक्सटाइल मार्केट के व्यापारी से 3.50 लाख रुपए का रो सिल्क कपड़े का माल खरीदने के बाद पेमेन्ट नहीं चुकाकर व्यापारी द्वारा ठगी किए जाने की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज करवायी गई है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कतारगाम सुमुल डेरी रोड अल्कापुरी सोसायटी निवासी सूर्यकांत जशवंतलाल नगदवाला रिंगरोड की युनिवर्सल टेक्सटाइल मार्केट में ग्राउन्ड लोर में दुकान चलाते हैं। सूर्यकांत के पास से जनवरी महीने में रिंगरोड की कुंदन टेक्सटाइल मार्केट में दुकान चलानेवाले महबूब फकीरा ने लुभावनी बातें कर 3,50,886 रुपए का रो सिल्क कपड़े का माल खरीदा था। माल का पेमेन्ट की वसूली करने पर वादा करने के बाद भी पेमेन्ट नहीं चुकाया।

नीलेश पटेल कोचिंग क्लास का मालिक होने की चर्चा

पेपर लीक घोटाले में नीलेश पटेल अब पुलिस का टार्गेट

नीलेश पटेल गुजरात के उम्मीदवार को दिल्ली ले गये और मोबाइल स्वीच ऑफ करवाया गया था

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस में लोकरक्षक भर्ती दल की परीक्षा का पेपर लीक घोटाले में दिल्ली की गैंग और उनको पेपर देने वाले व्यक्ति की जांच कर रही है। जिसमें पुलिस को महत्व की सफलता मिली है। जिसके अनुसार, दक्षिण भारत की प्रिन्टिंग प्रेस में काम करते गुजराती व्यक्ति ने दिल्ली की गैंग को दिया था। अब यह पूरे घोटाले में नीलेश पटेल नाम का व्यक्ति है यह मास्टरमाइंड होने की बात सामने आ रही है, इसी वजह से पुलिस का अब टार्गेट यह नीलेश हो ऐसा माना जाता है। नीलेश पटेल नाम के यह व्यक्ति स्पर्धात्मक परीक्षा की कोचिंग क्लास के मालिक होने की काफी चर्चा हो रही है।

हालांकि, पुलिस ने जांच के तहत नीलेश का नाम और इसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की है, इसे अभी गिरफ्तार करना बाकी है। पुलिस ने यह बात स्पष्ट कर दी है कि, नीलेश की भूमिका यह पूरे घोटाले में काफी महत्वपूर्ण है। पुलिस जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई थी कि, दक्षिण भारत में स्थित एक प्रिन्टिंग प्रेस के लिए काम करते व्यक्ति जो दिल्ली की गैंग के साथ जुड़ी हुई है, यह नीलेश पटेल के साथ संपर्क में था और उसने दिल्ली की गैंग को प्रिन्टिंग प्रेस की व्यक्ति ने पेपर दिया था। उल्लेखनीय है कि, गत २९ नवंबर की रात को नीलेश ने गाड़ी में दिल्ली जाते उम्मीदवारों के मोबाइल बंद करा दिया था और उनके पास परीक्षा के आईकार्ड के अलावा दूसरा कोई सबूत या चीजवस्तु नहीं हो इसकी चेकिंग करके जाने दिया था। पेपर लीक नहीं हो इसके लिए दिल्ली की गैंग ने उम्मीदवारों को सावधान किया। इतना ही नहीं पेपर के जवाब सोशल मीडिया के द्वारा अन्य व्यक्तियों को नहीं देने के लिए कहा और हाथ से जवाब लिखकर दिया गया। लेकिन सभी सतकर्ता होने के बावजूद भी पेपर के जवाब सोशल मीडिया पर आ गया था और इसे लेकर पूरे घोटाले का पर्दाफाश हुआ था।

२० तारीख को जसदण सीट का उप चुनाव

जसदण विधानसभा सीट पर ८ उम्मीदवार मैदान में

अहमदाबाद। जसदण विधानसभा चुनाव में गुरुवार को उम्मीदवारी फॉर्म वापस लेने के अंतिम दिन में सात जितने निर्दलीय उम्मीदवारों ने उम्मीदवारी वापस ले ली है। इसके बाद अब जसदण सीट पर ८ उम्मीदवारों के बीच चुनाव जंग होगा। हालांकि, मुख्य और सीधा जंग तो भाजपा के कुंवरजी बावलिया और कांग्रेस के अवसर नाकिया के बीच रहेगा, जो प्रतिष्ठाभरा जंग रहेगा।

जसदण में विधानसभा चुनाव की गतिविधि देखी जा रही है। आगामी २० दिसम्बर को जसदण विधानसभा उप चुनाव आयोजित किया जाएगा। जिसे लेकर कई फर्जी उम्मीदवारों ने उम्मीदवारी फोर्म भरे थे। लेकिन गुरुवार को उम्मीदवारी फोर्म वापस लेने के अंतिम दिन निर्दलीय उम्मीदवारों के ७ उम्मीदवारों ने उम्मीदवारी वापस लेने से स्थानीय राजनीति में सनसनी मच गई। इसके बाद अब जसदण सीट पर ८ उम्मीदवारों के बीच चुनाव जंग होगा। हालांकि, मुख्य और सीधा जंग तो भाज पा के कुंवरजी बावलिया और कांग्रेस के अवसर नाकिया के बीच रहेगा। जसदण विधानसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस मिलकर ८ उम्मीदवारों के बीच कांटे की टक्कर होगी। हालांकि चुनाव की सीधी स्पर्धा भाजपा के कुंवरजी बावलिया और कांग्रेस के अवसर नाकिया के बीच रहेगा। भाजपा और कांग्रेस ने यह सीट जीतने के लिए पूरा जोर लगा दिया है। जिसे लेकर चुनाव का प्रचार चरमसीमा पर पहुंच गया है जिसे लेकर स्थानीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

जसदण के चुनाव में अब कई उम्मीदवार मैदान में

अहमदाबाद।
१. भरत जेसा मानकोलीया -(निर्दलीय) (कोली)
२. कुंवरजी मोहन बावलिया -(भाजपा) (कोली)
३. नाथालाला पुंजाभाई चित्रोडा -(निर्दलीय) (दलित)
४. धरमशी रामजी ढाया -व्यवस्था परिवर्तन पार्टी
५. दिनेश सना पटेल -नव भारत निर्माण मंच (पटेल)
६. अवसर कानजी नाकिया- (कांग्रेस) (कोली)
७. मुकेश मोहन भेसंजालिया-(निर्दलीय) (कोली)
८. नीरूपाबहन नटवरलाल माधु (निर्दलीय) (ब्रह्मक्षत्रीय)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)